

आज भरपत्रावणी पेशादुर्। डोई भी उपस्थित-
वादीगण व प्रतिवादीगण दो बार-२२ अक्षर
लगाने के वावजूद भी डोई भी उपस्थित नहीं।
वादीगण की साक्ष्य हेतु पूर्व में डाकी
अवसर दिये जा चुके हैं। इसके वावजूद भी

साह्य उपस्थित नहीं दिखते न ही साह्य
 के साथ पत्र पेशा बिघा है। जिससे वादियों
 के अंत बाद हो यागे चलाने की कोशिश
 जिन अंत नहीं हो रही है जिन अंत में
 पीढ़ीगत का बाद साह्य के अभाव व
 १। वज्रद अज्ञान के अनु रहने से पत्रावली
 ०७ R 3 व ०। ३ R 3 में वादियों की आगी
 पत्रावली के अंत अज्ञान के अंत में
 अंत में अज्ञान के अंत में

उपखण्ड अधिकारी
बहरोड़ (कोटपल्ली-बहरोड़)